SECOND-YEAR OF BACHELOR OF ARTS MAJOR–1 HINDI REVISED SYLLABUS ACCORDING TO CBCS NEP2020

COURSE TITLE: हिंदी गीतिनाट्य तथा हास्य-व्यंग्य का अध्ययन
SEMESTER-3, W.E.F. 2024-2025

RECOMMENDED BY THE BOARD OF STUDIES IN HINDI
AND
APPROVED BY THE ACADEMIC COUNCIL

Devrukh Shikshan Prasarak Mandal's
Nya. Tatyasaheb Athalye Arts, Ved. S. R. Sapre Commerce, and Vid. Dadasaheb Pitre Science College (Autonomous), Devrukh.
Tal.Sangmeshwar, Dist. Ratnagiri-415804, Maharashtra, India

Academic Council Item No: 03 dated 08 /07/2023

Name of the Implementing Institute	:	Nya. Tatyasaheb Athalye Arts, Ved. S. R. Sapre Commerce, and Vid. Dadasaheb Pitre Science College (Autonomous), Devrukh. Tal. Sangmeshwar, Dist. Ratnagiri-415804,
Name of the Parent University	:	University of Mumbai
Name of the Programme	:	Bachelor of Arts
Name of the Department	:	HINDI
Name of the Class	:	Second Year
Semester	:	Third
No. of Credits	:	04
Title of the Course	:	**हिंदी गीतिनाट्य तथा हास्य-व्यंग्य का अध्ययन**
Course Code	:	A201HNT
Name of the Vertical in adherence to NEP 2020	:	Major and Minor
Eligibility for Admission	:	Any 12th Pass seeking Admission to Degree Programme in adherence to Rules and Regulations of the University of Mumbai and Government of Maharashtra
Passing Marks	:	40%
Mode of Assessment	:	Formative and Summative
Level	:	UG
Pattern of Marks Distribution for SEE and CIA	:	60:40
Status	:	NEP-CBCS
To be implemented from Academic Year	:	2024-2025
Ordinances /Regulations (if any)		**Academic Council Item No: 03 dated 08/07/2023**

Syllabus for Second Year of Bachelor of Arts in HINDI

(With effect from the academic year 2024-2025)

SEMESTER-3 **Paper No.–HINDI Paper – I**

Course Title:

हिंदीगीतिनाट्यतथाहास्य-व्यंग्यकाअध्ययन

No. of Credits - 04

Type of Vertical: Major and Minor **COURSE CODE -A201HNT**

Learning Outcomes Based on BLOOM's Taxonomy:

After completing the course, the learner will be able to...

Course Learning Outcome No.	Blooms Taxonomy	Course Learning Outcome
CLO-01	Remember	द्वितीय वर्ष कला के तृतीय सत्र में पहले पाठ्यपुस्तक **गीतिनाट्य अग्निलीक** रखा गया है। जिसमें जिसमें वर्णित राम का आदर्श जीवन छात्रों को नैतिकता का परिचय कर सकता है। जिसे स्नातक ध्यान में रखेंगे।
CLO-02	Understand	आधुनिक बदलते जीवन शैली में जहां संस्कार और नीति मूल्य का रस हो रहा है उसे परिप्रेक्ष्य में यह गीत नाट्य प्रासंगिक है। जिन्हे स्नातक समझेंगे और अवगत करेंगे।
CLO-03	Apply	इसी कक्षा के लिए दूसरा पाठ्यपुस्तक रखा गया है जिसका नाम है **नवीन हास्य व्यंग्य निबंध** जिसमें बच्चों को थोड़ा सा हल्का व्यंगात्मक अध्ययन कराया जाएगा । जिसके माध्यम से स्नातक वर्तमान सामाजिक राजनीतिक परिस्थिति से परिचित हो जाएंगे। इस माध्यम से स्नातक रचना कैसी होनी चाहिए इसके बारे में सोचे।
CLO-04	Analyze	दूसरे पाठ्यपुस्तक के माध्यम से स्नातकों को नवीन व्यंग्य विधा के बारे में परिचय मिल जाएगा और इस प्रकार का लेखन का मूल्यांकन करने की कोशिश करेंगे।
CLO-05	Evaluate	इन दोनों पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से बच्चे अलगअलग प्रकार – की साहित्य विधा का शिल्पा विधान कैसे होताहै इसकी समीक्षा करें।

Syllabus for Second Year of Bachelor of Arts in HINDI

(With effect from the academic year 2024-2025)

SEMESTER-3 **Paper No.–HINDI Paper – I**

Course Title: हिंदीगीतिनाट्यतथाहास्य-व्यंग्यकाअध्ययन

No. of Credits - 04

Type of Vertical: Major and Minor **COURSE CODE A201HNT**

COURSE CONTENT			
Module No.	Content	Credits	No. of Lectures
1	इकाई -1 पाठ्यपुस्तक-1 अग्निलीक-(गीतिनाट्य) कवि-केदारनाथ अग्रवाल राजकमल प्रकाशन 1 गीतिनाटक के तत्व तथा उसकी विशेषतायें। 2 अग्निलीक गीतिनाटक की सांकृतिक पार्श्वभूमि। 3 रामकथा के पौराणिक पात्रों के परंपरावादी दृष्टिकोण। 4 अग्निलीक गीतिनाटक की विषयवस्तु।	01	15
2	इकाई -2 अग्निलीक गीतिनाटक के सभी सर्गों का कथानक अग्निलीक मे लेखकीय उदेश्य। 'अग्निलीक'आधुनिक जीवनशैली और समकालीन जीवन सन्दर्भ। 'अग्निलीक के रामकथा की प्रासंगिकता और उसकी नवीन संभावनाओं,नये जीवन मुल्यों और आदर्शों का अध्ययन।	01	15
3	इकाई -3 पाठ्यपुस्तक-2 नवीन हास्य-व्यंग्य संपादक-सुरेश आचार्य लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद. व्यंग्यात्मक लेखन के तत्व तथा उनकी विशेषताये। अध्ययनार्थ हास्य-व्यंग्य 1 स्वर्ग मे विचारसभा का आयोजन-भारतेंदू हरिश्चंद्र 2 नया साल मुबारक-अमृतराय 3 मुगलों ने सल्तनत बक्श दी-भगवती चरण वर्मा 4 चिकित्सा का चक्कर-बेढब बनारसी	01	15
4	इकाई -4 5 मेघदूत की पुस्तक समीक्षा-शरद जोशी 6 अंगद का पाव-श्रीलाल शुक्ल 7 घूस एक चिकनाई है -रविंद्र कालिया 8 बेवकुफी का कोर्स-सत्यपाल सिंह 'सुष्म'	01	15
	Total	04	60

Required Previous Knowledge

हिंदी भाषा का सामान्य ज्ञान भाषा सर्वसाधारण शब्द-ध्वनिया,वाक्य-रचना-प्रमुख साहित्याकर-लेखक-कवि,साहित्य-विधा तथा व्यावहारिक हिंदी आदि बातों की जानकारी।

Methods of Assessment:

The assessment pattern would be 60:40, 60% for Semester End Examination (SEE) and 40%for Continuous Internal Evaluation (CIA). The structure of the SEE and CIA would be as recommended by the Board of Studies and approved by the Board of Examination and the Academic Council of the college.

आधार ग्रंथ-

अग्निलीक-(गीतिनाट्य) कवि-केदारनाथ अग्रवाल राजकमल प्रकाशन
नवीन हास्य-व्यंग्य संपादक-सुरेश आचार्य लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

संदर्भ ग्रंथ -सूची

- काव्यशास्त्र - भागीरथ मिश्र विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
- हिंदी गद्य साहित्य-- रामचंद्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
- आज की कविता- विनय विश्वास राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- समकालीन कविता सर्जन और संदर्भ- डॉ सतीश पांडे शैलजा प्रकाशन कानपुर
- आधुनिक कविता का पुनर्पाठ– दो करुणा शंकर उपाध्याय
- हिंदी कविता का वर्तमान परिदृश्य- डॉक्टर हरी शर्मा प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली
- आधुनिक साहित्य मूल्य और मूल्यांकन- डॉ अनिल कुमार सिंह साहित्य भूमि प्रकाशन नई दिल्ली
- कविता का शहर -राजेश जोशी राजकमल प्रकाशन दिल्ली
- साहित्यिक निबंध- गणपति चंद्र गुप्ता लोकोक्ति प्रकाशन इलाहाबाद
- हिंदी निबंध और निबंधकार- जय नाथ नलिन आत्माराम प्रकाशन नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- ज्योतिश्वर मिश्रा लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
- हिंदी साहित्य संवेदना के -धरातल डॉ अनिल सिंह सीमा प्रकाशन परभणी